प्रेषक,

आर ही न सीवाल, सक्तिव न्याय एवं विधि परागर्शी उत्तर दल शासन ।

संवा ने

महानियन्यकः माउलराद्यतः उच्च न्यायालयः, नैनीतालः ।

न्याथ अनुभाग- :

देसरादून दिनाकः 12 विसम्बर 2008

विषयः माज्यकं न्यावालय के अधिकान में सहायक निवन्धक के 11 पद, वेसनमान ७० 10,000-325-15,200/= में सुजित किया जाना ।

महोदय

कृपया उपरोक्त विश्वयक अपने पत्र संस्था-2699 / 1-a-6/Admin.A/2006 ,विनांत-17-10-2006 का असलोकन करने का कहर करें ।

2— इस सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निवेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, शासनावेश संख्या—234/न्याय अनुभाग / 2001 दिनांक 02-05-2001,शासनावेश संख्या—22-एक(2)/न्याय विभाग / 2003, दिनांक 27-08-2003, शासनावेश संख्या—8-एक(2)/न्याय किमाग / 2004, दिनांक 17-01-2004 एवं शासनावेश संख्या—25-एव(2)/न्याय विभाग / 2004, विनांक 06-08-2004 वास स्विता अस्थायों पतों के अधिरेक्षा मा संख्या वर्षायां स्वापालय नीतांता के अधिरेक्षान हेतु सहयंक निवंशक के 11 अस्थायों पद वेतनमान समये 15,000-325-15.200 में शासनावेश निर्मंत होने की तिथि अध्या कार्यमार ब्रहण करने की तिथि जो भी वाद में हो से विनांक 28-02-2007 तक, बशतें थे पद उसके पूर्व विना किसी पूर्व सूचना के पहले ही सनापत न वर विये जाय, स्थित करने की सहयं स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उस्त पहणारको को उक्त पद के वेतन के अतिरिक्त शालन द्वारा समय समय वर निर्गत आदेश के

अनुरुष अनुगन्य किए गये महमाई एवं अन्य भत्ते भी देय होंगे ।

4- जवत पर्यों के शुजन के फलस्वलय तदविश्यक संवर्ध में अस्माई अभिवृद्धि मानी जायेगी ।

6— इन यद्वी को गाउच्छ न्यायालय के अधिकार में सुजित अनुमान अधिकारी के नियमित पदचाराजें ग से लियमानुदार पीन्नित कार्यिक शिमाग द्वारा निर्गत सेस्टर सम्बन्धी शासनादेश-1455/कार्मिक-2/2001 दिनाक 31 अगरत 2001 में प्राविधानित त्यवस्थानुसार प्रस्तावित कल पद्यों को भरने से पूर्व आखाण सम्बन्धी सासन द्वारा निर्मा शासनादेशों का अनुवासन भी सुनिशिका किया जावगा ।

ह- उठन अविध से पूर्व प्रस्ताव पर विधायी अनुमादन प्राप्त कर लिया जाय ।

7- इस समस्य में होने वाला ख्या वर्तमान विलीत वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 04 के अन्तर्गत लेख शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-102-एव्य न्यायालय-03-एव्य न्यायालय-00[मास्ति]" के अधीन सुसगत प्रथमिक इकाइयों के नाम अन्तर जायेगा ।

B- यह आदेश विली विभाग के अशासकीय संख्या-733/विली अनुभाग-5/2006, विभाक

12-12-2006 में प्राप्त उनकी सहमही से पारी किये जा रहे है ।

भवदीय,

(आर डी पालीगल) लिंचेव ।

राख्या 11811) / XXXVI(I) / 2006-तददिनाक । प्रांतिचि निम्नालेखित को सूचनार्थ एवं आदश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

महालेखाकार उत्तरांचल आवैराय पोटर विलिंडग माजरा देहरादून !

2- मृत्या संवित उत्तराचल शासन, देहरादून ।

इ विभिन्न कोषाधिकारी नैनीताल ।

4 किता अनुभागः ५ / एन०आइ०सी० / गार्ड फाईल ।